दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, सोमवार 06 जनवरी 2025

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

निर्वाचन आयोग बिल्कुल बेफिक्र

अपने ताजा कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता।

भारतीय निर्वाचन आयोग की साख पर पहले से कई सवाल हैं, जिन्हें वह सिरे से नजरअंदाज करता आया है। अब उसके एक ताजा कदम से ये सवाल और गहरे होंगे। इस कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। अब आयोग से यह भी पूछा जाएगा कि वह अपने विवेक से ऐसे निर्णय लेता है, इसके लिए उस पर कोई दबाव है? आखिरकार ऐसे प्रश्नों के साथ भारत में चुनावों की विश्वसनीयता और लोकतंत्र का भविष्य जुड़ा हुआ है।

ताजा मामले में आयोग ने एक नियम को बदल डाला है। नियम यह था कि अदालत ने अगर आदेश दिया, तो आयोग सार्वजनिक निरीक्षण के लिए अपने पास मौजूद सारे दस्तावेज संबंधित याचिकाकर्ता को देगा। इनमें वीडियो फुटेज भी शामिल हैं।

अधिवक्ता महमूद प्राचा ने इसी नियम का सहारा लिया। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित वीडियो फुटेज सहित सभी दस्तावेजों की मांग की। हाई कोर्ट ने उनकी गुजारिश मान ली और निर्वाचन आयोग को इन सबको उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद आनन-फानन में आयोग ने वो नियम ही बदल डाला। अब प्रावधान किया गया है कि दस्तावेज के तहत वीडियो फुटेज शामिल नहीं होंगे।

कारण यह बताया गया कि मूल नियम में ऐसा प्रावधान नहीं था। इस परिवर्तन के पहले राजनीतिक दलों से कोई राय-मशविरा नहीं किया गया। इसलिए विपक्ष के इस आरोप में दम है कि नियम में बदलाव परदादारी के लिए किया गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के संचालन में- खासकर ईवीएम को लेकर कांग्रेस ने कई गंभीर इल्जाम लगाए थे। वे आरोप सही थे या नहीं, ये बिल्कुल अलग मुद्दा है। मगर कोर्ट का आदेश आने के बाद संबंधित नियम में परिवर्तन ऐसा मामला है, जिससे शक पैदा होना लाजिमी है। चुनावों पर शक और सवालों का घेरा कसता जाए, यह पूरी तरह अवांछित है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग उसके ऐसे कदमों से बनने वाली धारणाओं को लेकर बिल्कुल बेफिक्र है।

भारत के सौर पैनल निर्यात में उछाल, दुनिया के लिए अब चीन नहीं केवल एकमात्र विकल्प

नई दिल्ली

भारत सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) सेल के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभर रहा है, क्योंकि दूसरे देश जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी पर स्विच करने के लिए सप्लाई के स्रोत के लिए चीन के विकल्प की तलाश कर रहे हैं। भारत ने वित्त वर्ष 2025 में अप्रैल-अक्टूबर तक की अवधि में मॉड्यूल या पैनल में असेंबल किए गए 711.95 मिलियन डॉलर के पीवी सेल का निर्यात किया, इसमें से 96 प्रतिशत शिपमेंट अमेरिका गए, जो दिखाता है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन से दूर हो रही है।

भारत ने अप्रैल-अक्टूबर वित्त वर्ष 2025 में मॉड्यूल में असेंबल नहीं किए गए 25 मिलियन डॉलर के फोटोवोल्टिक सेल का भी निर्यात किया, इसमें से 90 प्रतिशत निर्यात अमेरिका गया। अमेरिका भारतीय सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल के लिए भी एक प्रमुख निर्यात बाजार था, जो वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 में देश के सौर पीवी निर्यात का 97 प्रतिशत से अधिक था।

इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और जेएमके रिसर्च एंड एनालिटिक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) प्रोडक्ट के शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है, जिसका निर्यात मूल्य वित्त वर्ष 2022 से 23 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 2 बिलियन डॉलर हो गया।

रिपोर्ट की लेखिका, आईईईएफए की निदेशक (दक्षिण एशिया) विभूति गर्ग ने कहा, अमेरिकी बाजार पर ध्यान केंद्रित करने से भारतीय पीवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को फायदा मिल सकता है। इससे भारतीय पीवी निर्माताओं के उत्पाद की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा, लेकिन, लंबे समय में भारत को वास्तव में वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए, भारतीय पीवी निर्माताओं को अपस्ट्रीम बैकवर्ड इंटीग्रेशन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इससे भारत को मौजूदा बाजारों में अपनी पैठ बनाए रखने में मदद मिलेगी, जबकि यूरोप, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका आदि जैसे बाजारों को अनलॉक करने में मदद मिलेगी।

साथ ही, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में पीवी निर्माताओं के लिए बढ़ते निर्यात बाजार की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ घरेलू उपलब्धता को संतुलित बनाए रखने पर ध्यान देना होगा। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र प्रमुखता प्राप्त कर रहा है, देश के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 2014 में 3.3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 7.9 प्रतिशत हो गई है। भारत के निर्यात बास्केट में इलेक्ट्रॉनिक्स सामान सबसे तेजी से बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में उभरे हैं, क्योंकि केंद्र की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की सफलता से प्रेरित होकर देश में नई विनिर्माण क्षमताएं सामने आई हैं। देश का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात अप्रैल-नवंबर 2024-25 में 27.4 प्रतिशत बढ़कर 22.5 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 की इसी अवधि में यह 17.66 बिलियन डॉलर था। इलेक्ट्रॉनिक सामान अब भारत के निर्यात क्षेत्र में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जो पिछले साल छठे स्थान से इंजीनियरिंग उत्पादों और पेट्रोलियम के बाद दूसरे स्थान पर है।

48 करोड़ रुपए हर दिन... भारतीय मूल के जगदीप सिंह बने दुनिया के सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारी

नई दिल्ली

आज के दौर में, जब दुनियाभर में नई कंपनियां स्थापित हो रही हैं और तेज़ी से विकास कर रही हैं, ज़्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। इस बीच, एक भारतीय मूल के व्यक्ति, जगदीप सिंह, ने दुनिया में सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारी बनकर इतिहास रच दिया है। उनकी वार्षिक आय 17,500 करोड़ रुपए (लगभग 2.1 अरब डॉलर) है।

जगदीप सिंह टेक्नोलॉजी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी क्वांटमस्केप के पूर्व सीईओ हैं। उनका नेतृत्व भारतीय उद्यमियों के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है। उनकी प्रतिदिन की औसत कमाई लगभग 48 करोड़ है, जो उनकी कंपनी के उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाती है।

मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, जगदीप सिंह ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से बी.टेक और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले से एमबीए की डिग्री हासिल की है। इस मज़बूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि और विभिन्न कंपनियों में एक दशक से ज़्यादा के अनुभव ने उन्हें 2010 में क्वांटमस्केप लॉन्च करने के लिए ज़रूरी कौशल प्रदान किए।

जगदीप सिंह के नेतृत्व में, क्वांटमस्केप इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ऊर्जा भंडारण समाधान में एक अग्रणी कंपनी बन गई है। यह कंपनी ठोस-अवस्था वाली बैटरियों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन, तेज़ चार्जिंग समय और बेहतर सुरक्षा का वादा करती हैं।

जगदीप सिंह ने हाल ही में क्वांटमस्केप के सीईओ पद से इस्तीफ़ा दे दिया है और फरवरी 2024 में शिवा शिवराम को यह पद सौंपा है, लेकिन वे कंपनी के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। उनके कार्यकाल के दौरान, क्वांटमस्केप ने काफ़ी विकास किया, जिसका उनके प्रभावशाली वेतन पैकेज पर भी असर पड़ा, जिसमें 2.3 बिलियन डॉलर तक के स्टॉक विकल्प शामिल हैं।

पुष्पा 2 ने 30वें दिन की सबसे कम कमाई, दंगल का रिकॉर्ड टूटना मुश्किल, गेम चेंजर बिगाड़ सकती है खेल

अल्लू अर्जुन स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 30 दिन यानि एक महीना पूरा कर लिया है. पुष्पा 2 द रूल बॉक्स ऑफिस पर बीती 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी. फिल्म पुष्पा 2 ने 294 करोड़ रुपये से रिकॉर्डतोड़ ओपनिंग की थी. पहले ही दिन से पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है. पुष्पा 2 अपनी कमाई से कई रिकॉर्ड बना चुकी है. पुष्पा 2 हिंटी पट्टी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. पुष्पा 2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे कमाऊ फिल्म साबित हुई है. इसी के साथ पुष्पा 2 वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लिस्ट में भी शामिल हो गई है. पुष्पा 2 ने दंगल और बाहुबली के घरेलू बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ चुकी है.

सैकनिल्क के अनुसार, पुष्पा 2 की कमाई अभी भी करोड़ों रुपये में हो रही है. पुष्पा 2 ने 30वें दिन यानि 5वें फ्राइडे को 3.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसमें सबसे ज्यादा हिंदी में 2.75 करोड़ रु, तेलुगू में 1 करोड़ रुपये, तमिल में 0.8 करोड़, कर्नाटक में 0.1 करोड़ और मलयालम में 0.1 करोड़ रुपये का कारोबार किया है.

विश्व स्तरीय डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के बाद भारत अब रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में उठा रहा बड़े कदम : एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली

विश्व स्तरीय डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के बाद भारत रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में तेजी से कार्य कर रहा है। यह बयान टाटा ग्रुप के चेयरपर्सन एन चंद्रशेखरन द्वारा दिया गया। देश में रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 214 गीगावाट पर पहुंच गई है और 2030 तक 500 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता विकसित करने के लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहा है।

चेन्नई में एनआईटी त्रिची के 'ग्लोबल एलुमनाई मीट (जीएएम) 2025' को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि हमारी रिन्यूएबल आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 45 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो पिछले दशक में लगभग 30 प्रतिशत थी। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि अगर आपको पेरिस में तय किए गए 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करना है तो इस दशक में वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कमी लानी होगी। इसके उल्टा 2019 से 2024 के बीच हम दूसरी दिशा में चले गए हैं, इसमें 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि इस योजना के तहत 6.85 लाख से ज्यादा इंस्टॉलेशन हुए हैं और यह लगभग एक साल में एक दशक की गई सौर वृद्धि को पार करने की दहलीज पर है। इस साल फरवरी में लॉन्च होने के बाद से 6,85,763 इंस्टॉलेशन के साथ यह योजना पहले ही एक दशक में लगाए गए इंस्टॉलेशन के 86 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

टाटा समूह की चेयरपर्सन के अनुसार, इस देश में बनाया गया डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं आगे है। उन्होंने कहा, हमारे पास कुछ बेहतरीन डिजिटल सिस्टम हैं, चाहे वह हमारी भुगतान प्रणाली हो, आधार हो, स्वास्थ्य सेवा हो, निपटान प्रणाली हो या खुदरा बैंकिंग प्रणाली हो। हमारे पास कुछ बेहतरीन डिजिटल सिस्टम हैं। साथ ही बेहतर प्रतिभा भी है।

चंद्रशेखरन ने आगे कहा कि इस साल विकास में नरमी के बावजूद, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने बीजीटी जीत ली तो क्या हुआ, सबसे बड़ा अवॉर्ड तो भारत को ही मिला

सिडनी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज मेहमान टीम की हार के साथ खत्म हुई है. टीम इंडिया को 5 मैचों की इस सीरीज में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा. नतीजन, 10 साल बाद पैट कमिंस ने भारत के हाथों से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी छीन ली है. भले ही ऑस्ट्रेलिया ने ये ट्रॉफी जीत ली हो, लेकिन एक बड़ा अवॉर्ड भारत के खाते में आया है...

ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में अगर सबसे अच्छे प्रदर्शन की बात करें, तो जसप्रीत बुमराह का नाम ही जहन में आता है. बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और विकेट चटकाए. बूम-बूम ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 2024-25 में 5 मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 13 के औसत से 32 विकेट लिए.

इस दौरान उन्होंने 2 बार फोर विकेट हॉल और 3 बार फाइव विकेट हॉल लिए. वह इस सीरीज में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया.

गौर करने वाली बात ये भी है की बुमराह ने 9 पारियों में गेंदबाजी करके 32 विकेट लिए, जबकि सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद पैट कमिंस ने 25 विकेट लिए. दोनों के बीच विकेटों की संख्या में काफी अंतर है, जो ये दिखाता है की बुमराह इस सीरीज में कितने आक्रामक रहे.

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम की 10 सालों से चली आ रही बादशाहत अब खत्म हो गई है. भारत ने 2017-18 में ऑस्ट्रेलिया को उनके घर पर पहली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हराया था और ट्रॉफी अपने नाम की थी. इसके बाद फिर भारत ने हार का मुंह नहीं देखा और बैक टू बैक 4 बार ये सीरीज जीती. लेकिन, अब टीम इंडिया की जीत का सिलसिला ऑस्ट्रेलिया ने रोक दिया है और ये ट्रॉफी जीत ली है. यकीनन ऑस्ट्रेलिया के लिए ये काफी अहम पल है, जब उन्होंने घरेलू दर्शकों के सामने एक बार फिर इस ट्रॉफी को उठाया.

सिडनी में भारत की दिल टूटने वाली हार, ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से मारी बाजी

10 साल बाद जीती बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले गए सिडनी टेस्ट मैच में भारत को 6 विकेट से करारी हार मिली है. ये हार टीम इंडिया को काफी चुभने वाली है, क्योंकि इसकी वजह से भारतीय टीम ने 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवाई है. सिडनी टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह दूसरी पारी में बॉलिंग करने नहीं आए, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए सिडनी टेस्ट मैच में रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे. जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. जहां, पहली पारी में भारत ने 185 रन का स्कोर बनाया, वहीं ऑस्ट्रेलिया को 181 रन पर ही ऑलआउट कर दिया था.

फिर टीम इंडिया ने दूसरी पारी में 157 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को 162 रनों का लक्ष्य मिला. जवाब में कंगारू टीम ने सिर्फ 4 विकेट गंवाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया और भारत को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

भारतीय टीम की कमान संभाल रहे जसप्रीत बुमराह सिडनी टेस्ट मैच के तीसरे दिन फिटनेस संबंधी कारणों से मैदान से बाहर चले गए थे. हालांकि, वह भारत की दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए आए. मगर, कुछ खास नहीं कर सके. लेकिन फिर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में गेंदबाजी करने नहीं आए, जहां भारत को उनकी कमी खली.

प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरी पारी में 3 विकेट लिए और मोहम्मद सिराज के खाते में भी 1 विकेट आया. भारतीय गेंदबाज हार को टाल नहीं पाए और टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा.

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम की बादशाहत खत्म हो गई है. ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की. इससे पहले उसे लगातार 4 सीरीज में हार मिली थी.

आज का राशिफल

मेष- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा । आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे । जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं।

वृष-आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

मिथुन- आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे । लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे।

कर्क- आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे।

सिंह- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है।

कन्या- आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर में अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे ।

तुला- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी । कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी।

वृश्चिक- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान कुछ स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। आपको कम्युनिकेशन के माध्यमों से लाभ होगा, और आप तरक्की करेंगे।

धनु- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरेहोंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके निजी प्रयासों से उत्तम सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी।

कुंभ- आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे। इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा।

मीन- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं। आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तो में आपसी प्रेम बढ़ेगा।

मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए चेहरे पर लगाएं ये 5 जड़ी-बूटियां, होती हैं बेहद असरदार

सर्दी में भी मुंहासे होते हैं, जो खुजली का कारण बनते हैं। इस मौसम में मृत त्वचा रोमछिद्रों में फस जाती है और अतिरिक्त तेल के साथ मिलकर इस समस्या का कारण बनती है।

अगर आपके भी मुंहासे हैं और आप उनसे छुटकारा पाना चाहते हैं तो रसोई में मौजूद इन जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आप इन जड़ी-बूटियों से फेस पैक बना सकते हैं या इनसे बने त्वचा की देखभाल वाले उत्पादों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एलोवेरा

त्वचा की देखभाल में एलोवेरा का इस्तेमाल जरूर किया जाता है, जिसके जरिए त्वचा हाइड्रेट हो सकती है।

इससे मुंहासों का प्राकृतिक और घरेलू उपचार हो सकता है और रंजकता भी कम हो सकती है।

अगर आप रोजाना चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाएंगे, तो आपको मुंहासों के दाग, लालपन और खुजली से राहत मिल जाएगी।

आप इसमें चीनी मिलाकर स्क्रब की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या इसे ऐसे ही लगा सकते हैं।

हल्दी

हल्दी एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जो अपने एंटी-फंगल, एंटी-सेप्टिक और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जानी जाती है।

इन सभी गुणों की मदद से यह बैक्टीरिया को खत्म करने और मुंहासों का इलाज करने में सक्षम हो पाती है।

आप कारगर फेस पैक बनाने के लिए इसमें दही, शहद और बेसन मिला सकते हैं। इसे लगाने से न केवल मुंहासे दूर होते हैं, बल्कि उनके दाग भी मिट जाते हैं और त्वचा में प्राकृतिक निखार भी आ जाता है।

विच हेजल

आप मुंहासों को मिटाने के लिए विच हेजल का भी उपयोग कर सकते हैं, जो एक तरह का फूल होता है। आप इस जड़ी-बूटी से बनाए गए टोनर की मदद से मुंहासों का इलाज कर सकते हैं।

विच हेजल अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद करता है और मुंहासों के दाग-धब्बों को भी साफ करता है।

रुई में इससे बने टोनर की कुछ बूंदें लेकर अपने चेहरे पर लगाएं और त्वचा में अवशोषित हो जाने दें।

नीम

नीम में शक्तिशाली एंटी-बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। इनके जरिए मुंहासों का इलाज किया जा सकता है और उनके कारण होने वाली खुजली को शांत किया जा सकता है। नीम के पत्ते मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से निपटने, सूजन को कम करने और बंद रोमछिद्रों को साफ करने में मदद कर सकते हैं।

आप नीम में एलोवेरा, गुलाब जल, बेसन और शहद जैसे पदार्थ मिलाकर कारगर फेस मास्क तैयार कर सकते हैं।

तुलसी

तुलसी एक बेहद स्वास्थ्यवर्धक जड़ी बूटी है, जिसे त्वचा की देखभाल के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

तुलसी के पत्तों में कई एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो मुंहासों को मिटाने में मदद करते हैं।

आप इस पौधे का इस्तेमाल करके कारगर फेस क्रीम, फेस पैक, स्क्रब और टोनर तैयार कर सकते हैं। इससे बना एसेंशियल ऑयल भी मुंहासों से छुटकारा दिला सकता है।

जानिए त्वचा की देखभाल में तुलसी इस्तेमाल करने के तरीके।

विक्रमादित्य मोटवानी की ब्लैक वारंट का ट्रेलर जारी, तिहाड़ जेल की दीवारों के पीछे की कहानी, शशि कपूर के पोते का डेब्यू

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी की आगामी फिल्म ब्लैक वारंट का दमदार ट्रेलक आज रिलीज हो चुका है। इस सीरीज में कुणाल कपूर के बेटे और शशि कपूर के पोते जहान कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसमें वह तिहाड़ के जेलर रहे सुनील गुप्ता का किरदार निभा रहे हैं।

निर्माताओं ने ब्लैक वारंट का ट्रेलर जारी कर प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। प्रशंसकों को ब्लैक वारंट का ट्रेलर खूब पसंद आ रहा है। जहान की अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। वेब सीरीज ब्लैक वारंट का प्रीमियर 10 जनवरी, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

निर्माताओं ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, तिहाड़ की भयानक जेल में कौन डर जाएगा और कौन लड़ जाएगा? कुछ वास्तविक घटनाओं पर आधारित। इसकी कहानी लेखक सुनील गुप्ता की लोकप्रिय किताब ब्लैक वारंट पर आधारित है। विक्रमादित्य मोटवानी इस सीरीज के सह-निर्माता भी हैं।

शब्द सामर्थ्य- 288

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

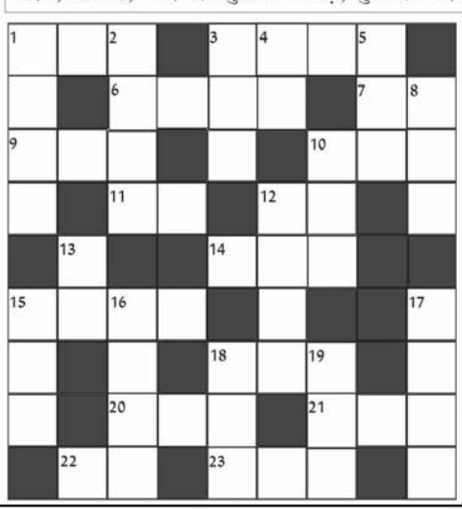

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 287 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	■	आ	ग	■	दा	ना
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 288

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 287 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4